अध्याय - 6
अधूरा घड़ा

शब्दों के अर्थ लिखिए -

भिस्ती - पानी भरने वाला |
साबुत - पूरा |
दरार - छेद होना |
उदास - दुखी |
बेबसी - लाचारी |
खूबसूरत - बहुत सुंदर |
नम्रता पूर्वक - श्रद्धा पूर्वक |
शोभा - सुंदरता |
डेढ - एक और आधा |
करुणा - दुख |
तरस - दया |

सही उत्तर पर सही का निशान लगाइए

1. भिस्ती के पास कितने घड़े थे ?
क. एक ख . दो ✓ ग. तीन
2. साबुत घड़े में कितना पानी आता था ?
क. आधा ख . पूरा ✓ ग .डेढ़
3. भिस्ती किसके घर पानी पहुँचाता था ?
क. बनिया ख .मालिक✓ ग .सेठ
4.भिस्ती को किस पर तरस आया ?
क. घड़े पर ✓ ख. फूल पर ग. पौधे पर
5. भिस्ती के हृदय में क्या थी ?
क. दया ✓ ख. माया ग.क्षमा

रिक्त स्थानों को पूरा करें -

भिस्ती, साबुत ,दरार , घमंड, नम्रता -पूर्वक , कमियां ,शोभा

1. बहुत समय पहले की बात है एक भिस्ती पास दो घड़े थे |

2.एक घड़ा साबुत और सुंदर था, परंतु दूसरे घड़े में दरार थी|

3.साबुत घड़े को अपने पर अत्यंत घमंड था |

4. नम्रता -पूर्वक टूटे हुए घड़े ने फिर से माफी मांगी|

5. ईश्वर ने हम सब में कुछ कमियां दी है|

6.फूल मालिक के घर की शोभा बढ़ा रही थी |

वाक्य में प्रयुक्त प्रविशेषण शब्द को रेखांकित करें -

बहुत, अत्यंत, निरा- मूर्ख, काफी, अति |

1. तुम जैसी भी हो बहुत काम के हो |
2. साबुत घड़े को अपने पर अत्यंत घमंड था |
3. टूटा पड़ा तो नीरा- मूर्ख है |
4.मालिक का घर नदी से काफी दूर है |
5. बाग में खिले फूल अति सुंदर है |

विशेषण शब्द से वाक्य बनाओ -

पीला, चालाक, विशाल, थोड़ा, सुंदर

1. पीला रंग बहुत सुंदर दिखता है |
2.चालाक खरगोश अतिचालक था |
3. विशाल यह पेड़ बहुत ही विशाल है |

4. टूटे घड़े में बहुत थोड़ा सा पानी आता था |
5.साबुत घड़ा अति सुंदर हैं |

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -

1. भिस्ती रोज सुबह उठकर कहाँ जाता था ?
उत्तर - भिस्ती रोज सुबह उठकर पानी भरने जाता था ?

2.भिस्ती टूटे घड़े की कमजोरी का फायदा कैसे उठाया ?

उत्तर- भिस्ती जानता था की एक घड़ा टूटा है तो उसने फूलों के बीज केवल टूटे घड़े की तरफ़ ही बो दिए थे जब वह पानी लेकर जाता था, तब उसी पानी से उन फूलों की सिंचाई हो जाती थी इस तरह
भिस्ती ने टूटे घड़े की कमजोरी का फायदा उठाया |

3.टूटे घड़े ने भिस्ती से क्या कहा ?

उत्तर - मुझे अपने पर शर्म आती है मैं अधूरा हूँ , मैं आपसे क्षमा माँगना चाहता हूँ टूटे घड़े ने भिस्ती से कहा |

4. इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

अधूरा घड़ा कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हर व्यक्ति में कुछ न कुछ कमी रहती है हमें अपनी कमियों अपनी अपनी मजबूती बनाले तो हम अवश्य सफल हो जायगे |

5. अधूरे घड़े की कहानी आपको कैसी लगी और क्यों ?

उत्तर - अधूरे घड़े की कहानी हमें बहुत अच्छी लगी क्योंकि घड़ा अधूरा होते हुए भी होते हुए भी अपने दरार के द्वारा फूलों की सिचाई की |और फूलों से मालिक के घर की शोभा बढ़ाने में सहायता कर रहा था जो कि पूर्ण घड़ा भी नहीं कर पाता |